AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

को-कॅरिकुलर कोर्सों में भी एमसीक्यू से परीक्षा

लखनऊ विश्वविद्यालय की विद्या परिषद की बैठक में आएगा प्रस्ताव

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय व सहयुक्त महाविद्यालय के विद्यार्थियों को बड़ी राहत मिलने वाली है। विवि प्रशासन अपने यहां वोकेशनल कोर्सों के साथ को-कॅरिकुलर कोर्सों में भी बहुविकल्पीय प्रश्नों (एमसीक्यू) पर आधारित परीक्षा कराएगा। 14 अक्तूबर की विद्या परिषद की बैठक में इस पर मुहर लगेगी।

विवि प्रशासन ने वर्तमान सत्र 2021-22 में स्नातक कोर्सों में नेशनल एजूकेशन पॉलिसी (एनईपी) लागू की गई है। इसके पहले सेमेस्टर में को-कॅरिकुलर और दूसरे सेमेस्टर में वोकेशनल कोर्सों की परीक्षा कराई जाती है। विवि ने इस सत्र में वोकेशनल कोर्सों की परीक्षा तो एमसीक्यू पर आधारित कराई, लेकिन को-कॅरिकुलर कोर्सों की परीक्षा विवरणात्मक प्रश्नों पर आधारित थी। इसमें काफी संख्या में विद्यार्थी होने से परिणाम तैयार करने में काफी वक्त लगा।

चार नए जिलों के कॉलेज जुड़ने के साथ लविवि में पहले सेमेस्टर के विद्यार्थियों की संख्या एक लाख तक पहुंच गई है। इसे देखते हुए विवि प्रशासन ने डीन्स की कमेटी बनाकर को-कॅरिकुलर व वोकेशनल कोर्सों में सुधार की संभावनाओं को तलाशा था। कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार को-कॅरिकुलर कोर्सों की परीक्षा भी एमसीक्यू पर आधारित करने का प्रस्ताव विद्या परिषद की बैठक में लाया जा रहा है। इसके साथ विभिन्न संकाय परिषद की बैठक के निर्णयों को भी मंजूरी के लिए रखा जाएगा।

विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ विद्यार्थियों को भी मिलेगी राहत

वोकेशनल कोर्सों की परीक्षा एमसीक्यू पर आधारित ही थी

कृषि संकाय खोलने का प्रस्ताव भी रखा जाएगा

विद्या परिषद की बैठक में विश्वविद्यालय प्रशासन कृषि संकाय की स्थापना का भी प्रस्ताव लाएगा। 'अमर उजाला' पहले ही इससे संबंधित खबर प्रकाशित कर चुका है। बैठक में वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष के प्रस्ताव पर चर्चा के बाद निर्णय लिया जाएगा। लविवि से संबद्ध एक दर्जन से अधिक संस्थानों में बीएससी-एमएससी एजी की पढ़ाई होती है, किंतु विश्वविद्यालय में इसका संकाय न होने से काफी दिक्कत का सामना करता पड़ता है। इसे देखते हुए विवि ने कृषि संकाय खोलने का निर्णय लिया है।

लविवि : सीतापुर राजकीय महिला कॉलेज में नए सत्र से कक्षाएं

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। शासन की ओर से लखनऊ विश्वविद्यालय को दिए गए राजकीय महिला महाविद्यालय मिश्रिख (सीतापुर) में नए सत्र 2022-23 से कक्षाएं चलाने की कवायद शुरू हो गई है। यहां विवि प्रशासन रोजगारपरक, वोकेशनल कोर्स चलाने की तैयारी में है। 14 अक्तूबर को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में होने वाली विद्या परिषद की बैठक में इन पर मुहर लगेगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय से वर्तमान सत्र 2021-22 से लखनऊ के साथ रायबरेली, सीतापुर, लखीमपुर खीरी व हरदोई के कॉलेज भी जुड़ें हैं। विवि ने यहां की परीक्षा आदि शुरू करा दी है। सीतापुर में घटक महाविद्यालय के रूप में संचालन के लिए शासन ने राजकीय महिला महाविद्यालय मिश्रिख की भी जिम्मेदारी लविवि को दे दी है। हाल ही में इसकी बिल्डिंग तैयार हुई है। फर्नीचर आदि भी जल्द उपलब्ध करा दिए जाएंगे। विवि की 14 सितंबर की विद्या परिषद की बैठक में सत्र 2022-23 से यहां शिक्षण कार्य शुरू करने संबंधित कवायद और प्रस्तावित पाठ्यक्रमों के अनुमोदन का प्रस्ताव लाया जा रहा है। पहले इस पर विवि स्तर पर काफी कवायद की गई है। जरूरतों को ध्यान में रखकर स्थानीय लोगों से बातचीत के बाद इसका प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा गया था। यहां से औपचारिक सहमति के बाद अब आगे की कवायद पूरी की जा रही है।

विवि यहां चलाएगा रोजगारपरक कोर्स, विद्या परिषद की 14 को होने वाली बैठक में मिलेगी मंजूरी

i-NEXT PAGE 5

को-करिकुलर विषय में भी एमसीक्यू पैटर्न

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (4 Oct): लखनऊ यूनिवर्सिटी यूजी लेवल पर वोकेशनल की तरह अब को-करिकुलर विषयों में भी मल्टीपल च्वाइस क्वेश्चन (एमसीक्यू) पैटर्न लागू करेगा. अधिष्ठाताओं एवं चयनित प्राचार्यों की समिति की ओर से इस प्रस्ताव पर संस्तुति की जा चुकी है. अब 14 अक्टूबर को होने वाली एकेडमिक काउंसिल की बैठक में इस पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा. इसके अलावा कई और प्रस्ताव पर भी चर्चा होगी. एलयू ने अपने यहां यूजी में सबसे पहले नई शिक्षा नीति लागू की थी. इसके तहत यूजी फर्स्ट, थर्ड व फिफ्थ पांचवें सेमेस्टर में को-करिकुलर और सेकेंड, फोर्थ व सिक्थ सेमेस्टर में वोकेशनल विषय लेना होता है. यूनिवर्सिटी ने वोकेशनल में एमसीक्यू लागू कर दिया था. अब प्रथम, तृतीय सेमेस्टर के को-करिकुलर विषय में भी विवरणात्मक की जगह एमसीक्यू पैटर्न शुरू करने की तैयारी है.

बनेगा कृषि संकाय

एलयू जल्द ही कृषि संकाय की स्थापना करेगा. इसे यूनिवर्सिटी के तीसरे कैंपस में रूप में विकसित करने की योजना है. इसके लिए जिलाधिकारी को पत्र लिखकर सरकारी जमीन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है. आगामी एकेडमिक काउंसिल की बैठक में कृषि संकाय खोलने पर मुहर लगेगी. अभी तक यूनिवर्सिटी के पास साइंस, आर्ट, कामर्स, ला, एजुकेशन, इंजीनियरिंग, फाइन आर्ट्स संकाय संचालित हैं.

11 और विषयों की आंसर-की जारी

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (4 Oct): लखनऊ यूनिवर्सिटी ने पोस्ट ग्रेजुएट प्रवेश परीक्षा के अंतर्गत मंगलवार को 11 और विषयों की आंसर-की जारी कर दी है. इसमें बीलिब एससी, एमए पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, एमएससी बायोकेमिस्ट्री, एमएससी एन्वायमेंटल साइंस, एमएससी फूड प्रोसेसिंग एंड फूड टेक्नोलाजी, एमएससी फारेंसिक साइंस, एमएससी मालीकुलर एंड ह्यूमन जेनेटिक्स, एमबीए, एमएड मेंटल एबिलिटी, एमएड काम्पटेंस और एमपीएड विषय शामिल हैं. यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि कैंडीडेट्स आंसर-की वेबसाइट के एडमिशन पेज पर देख सकते हैं. जल्द ही इन विषयों की सम्पूर्ण मेरिट सूची जारी कर दी जाएगी. उसके बाद आनलाइन काउंसिलिंग की प्रक्रिया शुरू होगी.

AMRIT VICHAR PAGE 5

अब फार्मा उद्योग में योगदान के लिए लविवि तैयार

अमृत विचार संवाददाता

पहल

- एक साल की कड़ी मशक्कत के बाद बढ़ गये बीफार्मा और डीफार्मा में तीन गुना आवेदन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में कोविड जैसी महामारी के समय प्रदेश में उपजी स्थिति देखते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय में फार्मा कोर्सेज को प्रारंभ करने का निर्णय लिया था। फलस्वरूप जमीनी स्तर की तैयारियां करने के बाद इंस्टिट्यूट ऑफ़ फार्मास्यूटिकल साइंसेज की औपचारिक शुरुआत सत्र 2021-2022 में बीफार्मा व डीफार्मा कोर्सेज से हुई।

महज एक साल में ही तीन गुना आवेदनों की संख्या बढ़ी है। प्रथम राउंड की काउंसिलिंग में ही आधे से ज्यादा सीटें भर गईं, जिसमें प्रवेश लेने वाले छात्र न केवल प्रवेश परीक्षा के टाप रैंकिंग वाले छात्र हैं बल्कि भारत के अलग-अलग राज्यों से प्रतिनिधित्व भी कर रहे हैं। बता दें कि बीफार्मा की प्रक्रिया छह अक्टूबर से एकेटीयू के माध्यम से सीयूईटी पास सदस्यों के रजिस्ट्रेशन एवं काउंसिलिंग द्वारा की जा रही है। इस बारे में विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर आलोक राय के विजन एवं मिशन मोड में कार्य करने परिणाम है कि जो आज नैक से ए डबल प्लस की रैंकिंग हासिल कर इतिहास रचा है।

विदेशों में भी छात्रों के लिए खुले रोजगार के अवसर : इस संबंध में कुलपति प्रोफेसर आलोक राय ने बताया कि विश्वविद्यालय में छात्रों के हित में जो रोडमैप तैयार किया गया उससे शिक्षित छात्र न केवल देश विदेश की उत्कृष्ट फार्मा उद्योग में रोजगार पा सकेंगे बल्कि रोजगार देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसके लिए पाठ्यक्रम में इंटर्नशिप के साथ ही साथ विश्वविधालय में स्थापित इन्क्यूबेशन सेल के माध्यम से स्टार्ट - अप चलाने की ट्रेनिंग भी छात्रों को दी जाएगी। इसके लिए देश की कई बड़ी राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं व फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्रीज को एक सूत्र में पिरोकर एक नेटवर्क बनाया जा रहा है।

बैठक में नामी कंपनियों के प्रमुख हुए शामिल

विश्वविद्यालय में सितंबर के अंतिम सप्ताह में हुई बैठक में युनिवेम लैबोरेट्रीज, एब्बोट इंडिया, सनफार्मा, अल्केम, फार्मा सिल्ट फार्मूलेशन, जी प्रावसेन, लाइफ केयर इन्नोवेशन सहित अनेक कंपनियों के उच्च अधिकारियों के साथ ही उत्तर प्रदेश के फार्मा इंडस्ट्रीज के संरक्षक वीर अंजनी सक्सेना एवं उत्तर प्रदेश ड्रग रेगुलेशन अथॉराइजेशन के डॉ. एके जैन शामिल हुए थे।

संबंध में कुलपति प्रोफेसर आलोक राय ने बताया कि विश्वविद्यालय में छात्रों के हित में जो रोडमैप तैयार किया गया उससे शिक्षित छात्र न केवल देश विदेश की उत्कृष्ट फार्मा उद्योग में रोजगार पा सकेंगे बल्कि रोजगार देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसके लिए पाठ्यक्रम में इंटर्नशिप के साथ-साथ विश्वविधालय में स्थापित इन्क्यूबेशन सेल के माध्यम से स्टार्ट-अप चलाने की ट्रेनिंग भी छात्रों को दी जाएगी। इसके लिए देश की कई बड़ी राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं व फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्रीज को एक सूत्र में पिरोकर एक नेटवर्क बनाया जा रहा है